भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3286

09 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों को हानि

3286. श्री अशोक महादेवराव नेते:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रमुख इस्पात संयंत्र को विगत तीन वर्षों के दौरान घाटा हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विनिवेश के अलावा, सरकार द्वारा संचालित इस्पात संयंत्रों के पुनरुद्धार के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन संयंत्रों के पुनरुद्धार को सुनिश्चित करने के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा शुरू किए गए नए राजस्व मॉडल का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क): जी हां। विशाखपट्टनम इस्पात संयंत्र का संचालन करने वाले राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने पिछले तीन में से दो वर्षों अर्थात वर्ष 2020-21 और 2022-23 के दौरान घाटे का सामना किया है। विवरण निम्नानुसार है:-

ब्यौरा	2020-21	2021-22	2022-23 (*)
प्रचालनों से पूर्व राजस्व	18,080.88	28,359.35	22,809.40
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	(-)1035.96	941.58	(-)3,236.46
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	(-)789.10	913.19	(-)2,858.74
(*) अनंतिम			

(ख) और (ग): आरआईएनएल की कच्ची सामग्री की लागत को कम करने के उद्देश्य से, इस्पात मंत्रालय ने आरआईएनएल को स्वदेशी कोकिंग कोल तथा थर्मल कोल की आपूर्ति के लिए कोयला मंत्रालय से बातचीत की है। इस्पात मंत्रालय ने आरक्षण रूट के माध्यम से लौह अयस्क ब्लॉक के आवंटन के लिए ओडिशा राज्य सरकार से भी अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, आरआईएनएल ने घाटे को कम करने के लिए समय-समय पर निम्नलिखित पहलें की हैं:-

- निर्धारित लागतों में कमी लाने के लिए, उत्पादन के स्तरों में बढ़ोत्तरी हेतु कच्ची सामग्री/ कार्यशील पूंजी की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मॉडलों का प्रयोग किया जा रहा है।
- मूल्यवर्धित इस्पात के उत्पादन और बिक्री में उच्चतर प्राप्ति और बढ़ोत्तरी को प्राप्त करने के लिए बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पाद विविधीकरण का इष्टतमीकरण।
- लागत को कम करने के लिए कोल ब्लैंड्स में स्वदेशी कोकिंग कोल का अधिकतम प्रयोग किया जाना।

****